R

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत पारंगत (एम्.ए.) नियमित

परीक्षा: जून – २०२२

सत्र ४ थे

विषय: वेद – ३ (अथर्ववेदसूक्ते) (19R3401)

दिनांक: २२/०६/२०२२ **गुण :** ६० **वेळ : स.** १०.०० ते १२.३०

सूचना: १) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात. २) सर्व प्रश्न सोडवणे अनिवार्य.

प्र.१. षण्णामृचां सटिप्पणमनुवादं कुरुत। **(३०)**

१. इदमिन्द्र शृणुहि सोमप यत्त्वा हृदा शोचता जोहवीमि।
वृश्चामि तं कुलिशेनेव वृक्षं यो अस्माकं मन इदं हिनस्ति।।

२. आविष्टिताघविषा पृदाकूरिव चर्मणा।
सा ब्राह्मणस्य राजन्य तृष्टा गौरनाद्या।।

३. इदं जनसो विदथ महद्ब्रह्म वदिष्यति।
न तत्पृथिव्यां नो दिवि येन प्राणन्ति वीरुधः।।

४. नीलेनैवाप्रियं भ्रातृव्यं प्रोर्णोति।
लोहितेन द्विषन्तं विध्यतीति ब्रह्मवादिनो वदन्ति।।

५. इयं नारी पतिलोकं वृणाना नि पद्यत उप त्वा मर्त्य प्रेतम्।
धर्मं पुराणमनुपालयन्ती तस्यै प्रजां द्रविणं चेह धेहि।।

६. यो अद्य स्तेन आयत्यघायुर्मर्त्यो रिपुः।
रात्री तस्य प्रतीत्य प्र ग्रीवा प्र शिरो हनत्।।

७. अन्यक्षेत्रे न रमसे वशी सन्मृडयासि न।.
अभूदु प्रार्थस्तक्मा स गमिष्यति बल्हिकान्।।

८. स एव सं भुवनान्याभरत्स एव सं भुवनानि पर्यैत्।
पिता सन्नभवत्पुत्र एषां तस्माद्वै नान्यत्परमस्ति तेजः।।

प्र.२. टिप्पणीत्रयं लिखत। **(३०)**

१. कुन्तापसूक्तानि

२. अनुस्तरणी

३. राष्ट्रसभाजयः

४. तक्मनाशनम्

५. कालसूक्तम्